

# UGC NET Paper 1 2011 June

## www.Fillerform.info

---

**Previous Years Solved Questions - UGC NET Paper 1 for July 201**

## **Unit 3(Home work)Hindi/Eng-28 with ans**

---

### **Comprehension:**

**Read the following passage carefully and answer question numbers from 11 to 15:**

It is easy to see that there is nothing particularly unusual, or especially contrary to reason, for a person to choose to pursue a goal that is not exclusively confined to his or her own self-interest. As Adam Smith noted, we do have many different motivations, taking us well beyond the single-minded pursuit of our interest. There is nothing contrary to reason in our willingness to do things that are not entirely self-serving. Some of these motivations, like 'humanity, justice, generosity and public spirit', may even be very productive for society, as Smith noted. There tends to be, however, more resistance to accepting the possibility that people may have good reasons even to go beyond the pursuit of their own goals. The argument runs: if you are consciously not pursuing what you think are your goals, then clearly those cannot be your goals. Indeed, many authors have taken the view that the claim that one can have reason not to be confined to the pursuit of one's goals is 'nonsensical' since even strongly heterogeneous altruistic agents cannot pursue other people's goals without making their own. The point here is that in denying that rationality demands that you must act single-mindedly according to your own goals. You do not necessarily dedicate yourself to the promotion of others. We can reason our way towards following decent rules of behaviour that we see being fair to others as well. This can restrain the unique dominance of single-minded pursuit of our own goals. There is nothing particularly mysterious about our respect for sensible rules of conduct. This can qualify the pursuit of what we rightly and reasonably see as goals that we would in general like to advance. What we can say about your choice? There is no difficulty in understanding that you are not averse to helping your neighbor or anyone else pursue his or her well-being. But it so happens that you do not think that your neighbor's well-being is, in fact, best advanced by his wasting time on playing a silly game. Your action is not corollary of any general pursuit of well-being.

-

11.) What can stand in the way of single-minded pursuit of one's goals?

Options:-

(A) Giving priority to our own goals

(B) Respect for sensible rules of conduct

(C) Compulsion to consider the goals of others

(D) Pursuit of paradoxical parameters

**ANS.**

-

12.) The moral derived from the passage is:

Options:-

(A) Assist your neighbours to engage in any activity of their choice

(B) Pro-active move to support others

(C) Force people to take on the other people's goals as their own

(D) Not to think of our neighbour

**ANS.**

-

13.) According to the passage, decent rules of behaviour are needed:

Options:-

(A) Because of self-imposed restraints

(B) To be rational

(C) For being fair to others

(D) Due to dominance of our own goals

**ANS.**

-

14.) In the view of many authors, not pursuing one's own goal is:

Options:-

(A) Altruistic

(B) Rational

(C) Natural

(D) Nonsensical

**ANS.**

-

15.) The observation of Adam Smith in going beyond self-serving interest is:

Options:-

(A) Having one's own goals

(B) Willingness to do different things

(C) Motivations like justice and public spirit

(D) Issues contrary to reasons

**ANS.**

**निम्नलिखित मार्ग को ध्यान से पढ़ें और 11 से 15 तक प्रश्न संख्याओं का उत्तर दें:**

यह देखना आसान है कि विशेष रूप से असामान्य कुछ भी नहीं है, या विशेष रूप से तर्क के विपरीत, एक लक्ष्य का पीछा करने के लिए एपर्सन के लिए जो विशेष रूप से अपने या अपने स्वयं के लिए सीमित नहीं है। एडम स्मिथ ने कहा, हमारे पास कई अलग-अलग हैं अभिप्रेरणाएँ, हमें हमारी रुचि के एकलविंदपुर केस से परे ले जाती हैं। पूरी तरह से आत्म-सेवा नहीं करने वाले हमारे लिए इच्छा के विपरीत कुछ भी नहीं है। इन प्रेरणाओं में से कुछ, जैसे 'मानवता, न्याय, उदारता और सार्वजनिक भावना', समाज के लिए बहुत उत्पादक हो सकती हैं, जैसा कि स्मथ ने उल्लेख किया है। हालांकि, इस संभावना को स्वीकार करने के लिए अधिक प्रतिरोध होना चाहिए

कि लोगों के पास अपने स्वयं के लक्ष्यों की खोज से परे जाने के लिए भी अच्छे संबंध हो सकते हैं। तर्क चलता है: यदि आप अपने लक्ष्यों के बारे में जानबूझकर पीछा नहीं कर रहे हैं, तो स्पष्ट रूप से वे आपके लक्ष्य नहीं हो सकते हैं। वास्तव में, कई लेखकों ने यह विचार किया है कि किसी के लक्ष्यों के अनुसरण के लिए दावा नहीं किया जा सकता है। 'निरर्थक' तब से, जब तक कि दृढ़तापूर्वक मौखिक एजेंट अपने स्वयं के बनाये बिना अन्य लोगों के लक्ष्यों का पीछा नहीं कर सकते। यहाँ इस बात से इंकार किया गया है कि तर्कसंगतता यह मांग करती है कि आपको अपने लक्ष्य के अनुसार एकांगी कार्य करना चाहिए। जरूरी नहीं कि आप खुद को दूसरों की तरक्की के लिए समर्पित करें। हम तर्क कर सकते हैं व्यवहार के सभ्य नियमों का पालन करने की दिशा में जो हम दूसरों के साथ भी निष्पक्ष होते हैं। यह अपने स्वयं के लक्ष्यों की एकल-दिमाग की खोज के अद्वितीय प्रभुत्व को नियंत्रित करता है। आचरण के समझदार नियमों के बारे में हमारे सम्मान के बारे में कुछ भी रहस्यमय नहीं है। इससे हम जो सही-और यथोचित रूप से देखते हैं, उसके लक्ष्य को देख सकते हैं, जिसे हम सामान्य रूप से आगे बढ़ाना चाहेंगे। हम आपकी पसंद के बारे में क्या कह सकते हैं? यह समझने में कोई कठिनाई नहीं है कि आप अपने पड़ोसी-या किसी और की मदद करने में पीछे नहीं हैं और उसकी भलाई करते हैं। लेकिन ऐसा होता है कि आपको नहीं लगता कि आपके पड़ोसी की भलाई है, वास्तव में, मूर्खतापूर्ण खेल खेलने पर उसके बर्बाद होने से सबसे अच्छा है। आपकी कार्रवाई भलाई के किसी भी सामान्य खोज का सहसंबद्ध नहीं है।

11.) किसी के लक्ष्यों की एकल-दिमाग की खोज के रास्ते में क्या हो सकता है?

विकल्प: -

- (ए) हमारे अपने लक्ष्यों को प्राथमिकता देना
- (बी) आचरण के समझदार नियमों का सम्मान करें
- (ग) दूसरों के लक्ष्यों पर विचार करने की मजबूरी
- (डी) विरोधाभासी मापदंडों का पीछा

**ANS]**

12.) मार्ग से प्राप्त नैतिक है:

विकल्प: -

- (ए) अपनी पसंद की किसी भी गतिविधि में संलग्न होने के लिए अपने पड़ोसियों की सहायता करें
- (बी) दूसरों का समर्थन करने के लिए सक्रिय कदम

- (सी) लोगों को दूसरे लोगों के लक्ष्यों को अपने रूप में लेने के लिए मजबूर करना
- (डी) हमारे पड़ोसी के बारे में सोचने के लिए नहीं

**ANS|**

13.) पारित होने के अनुसार, व्यवहार के सभ्य नियमों की आवश्यकता है:

विकल्प: -

- (ए) आत्म लगाए प्रतिबंधों के कारण
- (बी) तर्कसंगत होना
- (ग) दूसरों के प्रति निष्पक्ष होने के लिए
- (D) अपने स्वयं के लक्ष्यों के प्रभुत्व के कारण

**ANS|**

14.) कई लेखकों के विचार में, अपने लक्ष्य का पीछा नहीं करना है:

विकल्प: -

- (ए) अल्ट्रिस्टिक
- (बी) तर्कसंगत
- (ग) प्राकृतिक
- (D) निरर्थक

**ANS|**

15.) सेल्फ सर्विंग इंटरैस्ट से परे जाकर एडम स्मिथ का अवलोकन है:

विकल्प: -

- (ए) अपने स्वयं के लक्ष्यों को पूरा करना
- (ख) अलग-अलग काम करने की इच्छा
- (सी) न्याय और सार्वजनिक भावना की तरह प्रेरणा
- (डी) कारणों के विपरीत मुद्दे

**ANSI**